# अर्द्धवार्षिक परीक्षा 2016-2017

## हिन्दी

**कक्षा : IX**
**समय : 3 घंटे 15 मिनट** **पूर्णांक : 80**

**खण्ड 'अ' के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। खण्ड 'ब' से किन्हीं चार प्रसंगों के प्रश्नोत्तर लिखें। गद्य एवं पद्य से एक-एक प्रसंग करना अनिवार्य है।**

### खण्ड 'अ' - भाषा (40 अंक)

1. **निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर संक्षिप्त प्रस्ताव लिखें :-** [15]

(क) एक मोमबत्ती की आत्म कथा

(ख) "क्रोध से हमेशा दूसरों से अधिक हम स्वयं की हानि करते हैं" इस कथन से आप कहाँ तक सहमत हैं ? वर्णन करें।

(ग) "........और मैं उनसे प्रभावित हुए बिना नहीं रह सका/सकी।" अपने प्रस्ताव में उपर्युक्त कथन का प्रयोग करते हुए किसी प्रभावशाली व्यक्ति से अपनी मुलाकात का वर्णन करें।

(घ) "विकलांगता एक अभिशाप है" इस विषय में अपने विचार व्यक्त करते हुए किसी ऐसे विकलांग व्यक्ति का वर्णन करें, जो उपरोक्त कथन के विपरीत शारीरिक व आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हैं, तथा लोगों के लिए आदर्श हैं।

(ङ) "आ बैल मुझे मार" - इस लोकोक्ति के आधार कोई प्रसंग अथवा मौलिक कहानी लिखें।

2. **निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर पत्र लिखें :-** [7]

(क) आपका छोटा भाई किसी दूसरे शहर में एक आवासीय विद्यालय में पढ़ता है। उसे एक पत्र लिखकर नाटक, वाद-विवाद आदि में भाग लेने के लिए प्रेरित कीजिए। साथ ही यह भी लिखिए कि नाटक और वाद-विवाद में भाग लेने से क्या लाभ होते हैं ?

(ख) प्रधानाध्यापिका को पत्र लिखकर विद्यालय में स्थित कैन्टीन की सुविधा को और बेहतर बनाने तथा दक्षिण-भारतीय व्यंजनों के अतिरिक्त कुछ अन्य व्यंजनों को शामिल करवाने का आग्रह करते हुए एक आवेदन पत्र लिखें।

3. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़ें तथा दिए गए प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखें :-**

पाटलिपुत्र में मणिभद्र नामक एक सेठ रहता था। दुर्भाग्य से वह निर्धन हो गया। निर्धनता से विवश सेठ एक रात सोचने लगा कि धनहीन व्यक्ति का जीवन निरर्थक है क्योंकि इस समय सदाचार, शालीनता, क्षमा, धैर्य, उदारता जैसे गुण भी मात्र व्यक्ति के अवगुण बन कर रह जाते हैं। समाज तथा परिवार में उसका कोई मान-सम्मान नहीं रह जाता। ऐसी परिस्थिति से खिन्न अपनी जीवन-लीला समाप्त करने का निर्णय कर वह सो गया। अर्द्धरात्रि में सेठ

ने एक विचित्र सपना देखा। सपने में पद्‌म निधि बौद्ध संन्यासी के रूप में आकर उससे बोले- 'हे सेठ! विषम समय हिम्मत हारने के लिए नहीं बल्कि डटकर मुकाबला करने के लिए होता है। धीर पुरूष इस प्रकार जीवन से विरक्त नहीं होते। मैं प्रातःकाल इसी रूप में तुम्हारे घर आऊँगा। तुम मेरे सिर पर डण्डे से प्रहार करना जिससे मैं सोने का बन जाऊँगा। तदोपरान्त तुम चैन से गुज़र-बसर करना।'

प्रातःकाल ठीक वैसा ही हुआ। पद्‌मनिधि संन्यासी के रूप में उपस्थित हुए और सेठ ने मुदित हो उनके सिर पर प्रहार किया। पद्‌मनिधि तत्काल सोने के होकर गिर पड़े। इस सारे घटनाक्रम को एक नाई देख रहा था जो कि सेठ की पत्नी के चरणों में महावर लगाने आया था। नाई ने इससे यह अनुमान लगाया कि हर संन्यासी के सिर पर प्रहार करने से वह सोने का हो जाता है। अगले दिन ही वह नाई बौद्ध विहार-स्थल गया और वहाँ उसने प्रधान संन्यासी से पुस्तकें बाँधने योग्य रेशमी वस्त्र तथा पुस्तकें खरीदने के लिए धन स्वीकार करने के लिए विनम्रतापूर्वक आग्रह किया। इन दोनों वस्तुओं का लोभ संवरण न कर पाने के कारण, सारे संन्यासी नाई के घर जा पहुँचे। नाई ने उनको घट में बंद कर डंडे से मारना शुरू कर दिया। इसकी वजह से बहुतों को जान से हाथ धोना पड़ा और बहुतों के सिर फूटे। इस अपराध में जब नाई को न्यायालय में उपस्थित किया गया तो उसने मणिभद्र के घर घटित घटना के बारे में सभी को बताया। अधिकारियों द्वारा पूछे जाने पर मणि भद्र ने सारी कथा कह सुनाई। कथा सुनने के उपरान्त नाई को शूली (फाँसी) पर चढ़ा दिया गया। **[2x5=10]**

(क) मणिभद्र कौन था और उसने आत्महत्या का निर्णय क्यों लिया ?

(ख) मणिभद्र ने अर्द्धरात्रि में क्या सपना देखा, और बौद्ध संन्यासी ने उसे क्या शिक्षा दी ?

(ग) नाई सेठ के घर क्यों आया था? उसने वहाँ क्या देखा और उससे उसने क्या अनुमान लगाया ?

(घ) बौद्ध संन्यासियों को अपने घर बुलाने के पीछे नाई का क्या उद्देश्य था? इसका क्या परिणाम हुआ ?

(ङ) सच्चे संन्यासी के क्या लक्षण होने चाहिए ? प्रस्तुत गद्यांश से क्या शिक्षा मिलती है ?

4. **(क) किसी एक शब्द के दो पर्यायवाची शब्द लिखें -** **[1]**

धनुष, नमस्कार, पत्थर

**(ख) किन्ही दो शब्दों के विलोम शब्द लिखें :-** **[1]**

भौतिक, शासक, विकल्प, लिप्त ।

**(ग) किसी एक मुहावरे से वाक्य बनाएँ -** **[1]**

टस से मस न होना, तिल धरने की जगह न होना ।

**(घ) किसी एक अनेकार्थी शब्द के दो अर्थ लिखें :-** **[1]**

नायक, नाक, पतंग ।

**(ङ) किन्ही दो शब्दों से भाववाचक संज्ञा बनाएँ :-** **[1]**

सुजन, चिकित्सक, उचित, गुरू ।

**(च) निर्देशानुसार वाक्य परिवर्तन करें -** **[3]**

(i) किसी और के लिए वहाँ पहुँच पाना संभव नहीं है।
(वाक्य का अर्थ बदले बिना 'नहीं' शब्द हटाएँ)

(ii) चोरी करने वाला कभी निर्भय होकर सुख की नींद नहीं सो सकता।
(ऐसा……से वाक्य का आरम्भ करें)

(ii) भविष्य में मैं ऐसी गलती फिर कभी नहीं करूँगा।
(वाक्य में 'प्रतिज्ञा' शब्द का उचित प्रयोग करें)

## खण्ड 'ब' - साहित्य (40 अंक) गद्य

5. **"आज शाम को स्वयं सेवकों का एक दल जा रहा है, प्रिंसिपल से अनुमति ले ली है। मैं भी उनके साथ ही जा रही हूँ।"**

(क) 'स्वयंसेवक' का क्या तात्पर्य है ? वक्ता कहाँ और क्यों जा रही थी ? [3]

(ख) उपर्युक्त कथन की वक्ता कौन है ? वक्ता व श्रोता का संक्षिप्त परिचय दें। [3]

(ग) वक्ता कितने दिन बाद लौटी? उस समय उसकी हालत कैसी थी ? [2]

(घ) उपर्युक्त कथन किस कहानी से लिया गया है ? कहानी का उद्देश्य स्पष्ट करें । [2]

6. **"क्यों भाई! क्या बात है ? यह तुम्हारे नेताजी का चश्मा हर बार बदल कैसे जाता है ?"**

(क) 'नेताजी' शब्द से किस नेता की छवि आपके मानस-पटल पर उभरती है ? उनका संक्षिप्त परिचय दें। [3]

(ख) नेताजी का चश्मा कब और क्यों बदल जाता था ? वर्णन करें। [3]

(ग) कब नेताजी की मूर्ति पर कोई चश्मा नहीं था ? उस दिन कस्बे की क्या स्थिति थी? कारण स्पष्ट करें।[2]

(घ) उपर्युक्त कथा के कथाकार का संक्षिप्त परिचय दें। [2]

7. **"काकी सो रही है, उन्हें इस तरह उठाकर कहाँ लिए जा रहे हो ? मैं न जाने दूँगा।"**

(क) उपर्युक्त कथन का वक्ता कौन है ? उसका चरित्र चित्रण करें। [3]

(ख) 'काकी' से वक्ता का क्या संबंध है ? लोग 'काकी' को कहाँ और क्यों लिए जा रहे थे ? [3]

(ग) बुद्धिमान गुरूजनों ने वक्ता को क्या विश्वास दिलाया ? अंततः वक्ता को किस सच्चाई का पता चला और किस प्रकार ? [2]

(घ) अर्थ लिखें :-

आवरण, अनंतर, कुहराम, अन्यमनस्क। [2]

## पद्य

8. **साँईं सब संसार में मतलब का व्यवहार ।**
**जब लग पैसा गाँठ में, तब लग ताको यार ।।**
**तब लग ताको यार, यार संग ही संग डोले ।**
**पैसा रहे न पास, यार मुख से नहिं बोले ।।**
**कह 'गिरिधर कविराय' जगत यहि लेखा भाई ।**
**करत बेगरजी प्रीति, यार बिरला कोई साँईं ।।**

(क) प्रस्तुत पद के आधार पर स्पष्ट करें कि कैसे लोग हमारे आस-पास घूमते हैं। और कब तक ? एक उदाहरण द्वारा स्पष्ट करें। [3]

(ख) 'बेगरजी प्रीति' से कवि का क्या तात्पर्य है ? हमें किन से सावधान रहना चाहिए ? संसार में प्रायः कौन-सी रीति देखने को मिलती है ? [3]

(ग) 'बिरला' कैसे लोगों को कहा गया है? क्या आपका कोई मित्र ऐसा है ? अपने मित्र के कुछ गुणों का वर्णन करें। [2]

(घ) अर्थ लिखें - साँईं, ताको, लेखा, डोले [2]

9. **ऐसो को उदार जग माही।**
**बिनु सेवा जो द्रवै दीन पर राम सरिस कोउ नाहीं ।।**
**जो गति जोग विराग जतन करि नहिं पावत मुनि ज्ञानी ।**
**सो गति देत गीध सबरी कहूँ प्रभु ने बहुत जिय जानी ।।**
**जो सम्पत्ति दस सीस अरप करि रावन सिव पहँ लीन्ही ।**
**सो सम्पदा-विभीषण कहँ अति सकुच सहित प्रभु दीन्हीं ।।**

(क) प्रस्तुत पद में कवि ने किसकी महिमा का गुण-गान किया है ? उनकी उदारता के विषय में उन्होंने क्या कहा हैं ? [3]

(ख) प्रभु की कृपा से किस-किस को मोक्ष की प्राप्ति हुई ? किसी एक की कथा संक्षेप में लिखें। [3]

(ग) रावण ने अंनत धन-सम्पदा किस प्रकार प्राप्त की थी ? उसे संकोच के साथ किसने और क्यों दे दिया ? समझाएँ। [2]

(घ) कवि श्री तुलसी दास को हिन्दी जगत का क्या कहा जाता है ? इनकी सर्वाधिक लोकप्रिय कृति 'रामचरित मानस' के विषय में आप क्या जानते हैं ? संक्षेप में लिखें। [2]